वर्ष 2011-12 के दौरान कार्य-निष्पादन संबंधी झलकियां

- 2771.77 करोड़ रूपए का अब तक का सबसे अधिक कर-पश्चात शुद्ध लाभ अर्जित किया, जो कि वर्ष 2010-11 के दौरान अर्जित 2,166.67 करोड़ रूपए के कर-पश्चात शुद्ध लाभ से 27.93 % अधिक है |
- पिछले वर्ष के 4,046.59 करोड़ रूपए की तुलना में 5509.65 करोड़ रूपए का बिक्री कारोबार दर्ज किया |
- पिछले वर्ष 3,619 करोड़ रूपए की संचयी बिक्री वसूली की तुलना में इस वर्ष 4,415 करोड़ रूपए की संचयी बिक्री वसूली की गई|
- "उत्कृष्ट" एमओयू रेटिंग हेतु 18,500 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में इस वर्ष के दौरान 18,683 मिलियन यूनिट (एमयू) बिजली का उत्पादन किया गया | वर्ष 2010-11 में कंपनी ने 18606 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया था |
- एनएचपीसी ने वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए 0.70 रुपए के अंतिम लाभांश का प्रस्ताव किया है | वित्तीय वर्ष 2011-12 के लिए एनएचपीसी ने भारत सरकार को 637.40 करोड़ रूपए सहित शेयरधारकों को 0.60 रूपए प्रति शेयर की दर से 738.04 करोड़ रूपए के लाभांश का भुगतान किया |
- एनएचडीसी, एनएचपीसी और मध्य प्रदेश सरकार का एक संयुक्त उद्यम ने वितीय वर्ष 2011-12 के दौरान 3200 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में 4663.68 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया | कंपनी का शुद्ध लाभ 646.90 करोड़ रुपये था और कंपनी ने 58.80 करोड़ रुपये के लाभांश का भुगतान शेयर होल्डरों को किया |
- भारत सरकार ने एनएचपीसी के मैमोरेंडम ऑफ एसोसिएशन के आब्जेक्ट क्लॉज-1ए को स्वयं परिवर्तित करने का अनुमोदन दे दिया है, जो एनएचपीसी को योजना बनाने व प्रोन्नत करने के साथ-साथ देश तथा विदेश में पारंपरिक और गैर-पारंपरिक स्रोतों के माध्यम से विद्युत के समेकित और प्रभावी विकास के सभी पहलुओं की पहचान करने की अनुमति प्रदान करता है|
- जम्मू व कश्मीर राज्य में 2120 मेगावाट की कुल संस्थापित क्षमता की पकलदुल और अन्य जलविद्युत परियोजनाओं के विकास हेतु मैसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्रस (प्राइवेट) लिमिटेड का गठन 13.06.2011 को हो गया है, जिसमें एनएचपीसी की इक्टिविटी हिस्सेदारी 49%, जेकेएसपीडीसी की 49%, और पीटीसी की 2% है|
- उड़ीसा राज्य में जलविद्युत परियोजनाओं के विकास के लिए उड़ीसा हाइड्रोपावर कारपोरेशन लिमिटेड (ओएचपीसी) और ओडिसा सरकार के साथ एक संयुक्त उपक्रम कंपनी के गठन हेतु 21.07.2011 को हस्ताक्षर किए गए| इसमें एनएचपीसी की हिस्सेदारी 51% और ओएचपीसी की 49% होगी|
- रूस की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादन कंपनी जेएससी रूसहाइड्रो के साथ जलविद्युत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोत और विद्युत उत्पादन के अन्य क्षेत्रों में सहयोग के लिए 23.05.2011 को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए|

- चमेरा-III की सभी तीन यूनिटों की वेट-स्पिनिंग का कार्य 04.03.2012 और 05.03.2012 को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया है|
- वर्ष 2011-12 के दौरान जम्मू व कश्मीर में स्थित 44 मेगावाट की चुटक जलविद्युत परियोजना की दो यूनिटों (11 मेगावाट प्रत्येक) को पूर्ण लोड मौजूद नहीं होने के कारण आंशिक लोड पर सिंक्रोनाइज कर दिया गया है|
- 66 मेगावाट की लोकतक डाऊनस्ट्रीम जलविद्युत परियोजना की जन-सुनवाई (पब्लिक हेयरिंग) 07.06.2011 को संचालित की जा चुकी है|
- 520 मेगावाट की तीस्ता-IV जलविद्युत परियोजना की जन-सुनवाई 29.03.2012 को संचालित की जा चुकी है|
- एनएचपीसी ने म्यांमार में 1200 मेगावाट की तमांथी जलविद्युत परियोजना और भूटान में 770 मेगावाट की चमखारछु-I जलविद्युत परियोजना की डीपीआर तैयार करके प्रस्तुत कर दी हैं|
- एनएचपीसी ने पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18.09.2011 को आए विनाशकारी भूकंप के आने के 6 से 8 घंटों के भीतर ही तीस्ता-V और रंगित पावर स्टेशनों से बिजली उत्पादन पुन: शुरू कर दिया था| इन राज्यों में एनएचपीसी के पावर स्टेशन और परियोजनाओं के मुख्य ढांचे सुरक्षित थे, तथापि, कुछ भवनों और सड़कों को नुकसान पहुंचा था|
- एनएचपीसी ने सिक्किम में 18.09.2011 को आए भूकंप पीड़ितों के हितार्थ "मुख्यमंत्री राहत कोष" में माननीय मुख्यमंत्री, सिक्किम डॉ. पवन कुमार चामलिंग का 02.12.2011 को 7 करोड़ रूपए का चेक अंशदान के रूप में प्रस्तुत किया|
- एनएचपीसी ने कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत सामुदायिक विकास के अनेक कार्य कराने की पहल की है और इन पर 2011-12 के दौरान लगभग 10 करोड़ की राशि खर्च की है| इन गतिविधियों में शामिल है - कौशल विकास व्यवसायिक प्रशिक्षण कार्यक्रम, स्व-रोजगार हेतु प्रशिक्षण, आई.टी.आई. को अंगीकृत करना, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का वितरण, चिकित्सा स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन, महिलाओं के लिए प्रसाधन-गृहों (टॉयलेट) का निर्माण कार्य, आदि-आदि|
- अरूणाचल प्रदेश में 600 मेगावाट की तवांग-I और 800 मेगावाट की तवांग-II परियोजना के लिए केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की मंजूरी मिल गई है| पर्यावरण व वन मंत्रालय ने भी इन दोनों परियोजनाओं के लिए पर्यावरण मंजूरी दे दी है|
- पर्यावरण व वन मंत्रालय ने 195 मेगावाट की कोटलीभेल चरण-1ए जलविद्युत परियोजना के लिए भी सैद्धांतिक मंजूरी जारी कर दी है|
- जम्मू व कश्मीर में सलाल पावर स्टेशन के निकट बिड्डा स्थान पर पवन ऊर्जा परियोजना के विकास के लिए डीपीआर तैयार की गई है|
- तीस्ता-V पावर स्टेशन को वैरीफाइड एमिशन रिडक्शन (वीईआर) योजना के वीसीएस मैकेनिज़्म के अंतर्गत वैधीकृत कराया गया है|

- 460 गैर-बिजली वाले गांवों को बिजली पहुंचाई गई और 1.9 लाख गरीबी रेखा से नीचे जीवन-यापन करने वाले परिवारों को बिजली का कनैक्शन प्रदान किया गया| वर्ष के दौरान 2020 आंशिक रूप से बिजलीकृत गांवों में भी पूर्ण रूप से बिजली पहुंचाई गई|
- उत्कृष्ट राजभाषा कार्यान्वयन के लिए इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार कार्यक्रम के अंतर्गत गृह मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा क क्षेत्र में अवस्थित सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के मध्य एनएचपीसी को प्रथम पुरस्कार इंदिरा गांधी राजभाषा शील्ड से वर्ष 2009-10 के लिए सम्मानित किया गया| यह अवार्ड भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटिल द्वारा 14.09.2011 को प्रदान किया गया|
- एनएचपीसी को हमारी परियोजनाओं व पावर स्टेशनों के दूर-दराज स्थित होने के बावजूद आर.टी.आई. आवेदनों को निपटाने में 10 सर्वाधिक आर.टी.आई. आवेदन प्राप्तकर्ता जन-प्राधिकरणों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है|

मार्च 2012

- इसके अतिरिक्त, चमेरा-||| (231 मेगावाट), उड़ी-|| (240 मेगावाट) और चुटक (44 मेगावाट) परियोजनाओं को भी संचालित करना है|
- समझौता-ज्ञापन में कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर), टिकाऊ सार्थक विकास और अनुसंधान व विकास (आर.एंड डी.) के अंतर्गत गतिविधियों को पर्याप्त वैटेज़ दी गई है| समझौता-ज्ञापन में पहली बार लोक उद्यम कार्यालय (डीपीई) द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुपालन को भी शामिल किया गया है|
- चमेरा-||| परियोजना की सभी तीन यूनिटों की वैट स्पिनिंग दिनांक 04.03.2012 और 05.03.2012 को सफलतापूर्वक पूरी कर ली गई है|
- चुटक जलविद्युत परियोजना की दो यूनिटों की मैकेनिकल स्पिनिंग का कार्य 17.03.2012 को सफलतापूर्वक पूरा हो गया है|
- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, फरीदाबाद के तत्वाधान में एनएचपीसी ने दिनांक 23.03.2012 को एनएचपीसी आवासीय परिसर, फरीदाबाद में "अखिल भारतीय कवि सम्मेलन" का आयोजन किया| सुप्रसिद्ध हिंदी कवियों ने अपनी-अपनी कविताओं की प्रस्तुतियों से श्रोताओं का भरपूर मनोरंजन किया|
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से वित्तीय वर्ष 2011-12 की समाप्ति पर 18500 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में 18683 मिलियन यूनिट संचयी बिजली उत्पादन किया गया|
- दो स्वतंत्र् निदेशकों, श्री अशोक के. दत्ता, निदेशक , आईआईएम-शिलांग और श्री एस.के. गर्ग, पूर्व आई.ए.एस. को निदेशक मंडल में नियुक्त किया गया है|
- क्षमता अभिवृद्धि के लिए निम्नलिखित कार्यक्रम के साथ उत्कृष्ट रेटिंग के अंतर्गत निर्माणाधीन चार परियोजनाओं का लक्ष्य निर्धारित किया गया है :- परियोजना क्षमता प्रथमयूनिट परियोजना टीएलडीपी-||| का संचालन 132 मेगावाट मई, 2012 अगस्त, 2012 पार्बती-||| का संचालन 520 मेगावाट सितंबर, 2012 दिसंबर, 2012 निम्मो-बाजगो का

संचालन 45 मेगावाट सितंबर, 2012 दिसंबर, 2012 टीएलडीपी-प्ट (दो यूनिट) का संचालन 80 मेगावाट दिसंबर, 2012 जनवरी, 2013

- एनएचपीसी ने विद्युत मंत्रालय के साथ दिनांक 27.03.2012 को वर्ष 2012-13 के लिए समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए| इस समझौता-ज्ञापन पर श्री पी. उमाशंकर, सचिव (विद्युत), भारत सरकार और श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक ने हस्ताक्षर किए है | इस अवसर पर श्री अशोक लवासा, अतिरिक्त सचिव, श्री साई प्रसाद, संयुक्त सचिव (हाइड्रो), श्री डी.पी. भार्गव, निदेशक (तकनीकी), श्री जे.के.शर्मा, निदेशक (परियोजनाएं), श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) और विद्युत मंत्रालय तथा एनएचपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे|
- कंपनी के लिए 20550 मिलियन यूनिट (गत वर्ष का लक्ष्य 18500 मिलियन यूनिट) का बिजली उत्पादन और 4740 करोड़ रूपये के सकल बिक्री-कारोबार (गत वर्ष का लक्ष्य 3932 करोड़ रूपये) का लक्ष्य निर्धारित किया गया है|
- वित्तीय वर्ष 2011-12 के दौरान एनएचपीसी का वित्तीय और प्रचालनात्मक निष्पादन उत्कृष्ट रहा है |

फरवरी 2012

- संसदीय राजभाषा समिति की दूसरी उप-समिति ने माननीय संसद सदस्य श्री किशन भाई वी. पटेल की अध्यक्षता में अंडमान व निकोबार परियोजना, पोर्टब्लेयर की 11 फरवरी 2012 को राजभाषा प्रगति की समीक्षा की | समिति ने अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक और निदेशक (कार्मिक) से एनएचपीसी में राजभाषा कार्यान्वयन की स्थिति और इससे संबंधित विभिन्न मसलों पर चर्चा की| समिति के सदस्यों ने एनएचपीसी द्वारा दी गई विस्तृत प्रस्तुति की काफी सराहना की |
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और निदेशक (परियोजनाएं) ने असम सरकार के मंत्री समूह के साथ 16 फरवरी 2012 को बैठक करके वर्तमान हालातों और उसके कारण सुबानसिरी लोवर परियोजना पर पड़ रहे प्रभाव के बारे में चर्चा की | इस अवसर पर परियोजना के विभिन्न मसलों पर भी चर्चा की गई | परियोजना का निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करवाने के लिए मंत्री समूह द्वारा सहयोग और समर्थन देने का आश्वासन दिया गया |
- सिक्किम स्थित 510 मेगावाट के तीस्ता-5 पावर स्टेशन से संबंधित संशोधित लागत (पूर्णत: लागत) के ज्ञापन (मेमोरेंडम) पर विचार करने के लिए 22 फरवरी 2012 को लोक निवेश बोर्ड (पीआईबी) की बैठक आयोजित की गई|
- एनएचपीसी को नौएडा स्थित एमिटी इंटरनेशनल बिजनेस स्कूल द्वारा 22 फरवरी 2012 को “नवाचार प्रशिक्षण और मानव संसाधन प्रक्रियाओ हेतु एमिटी कॉरपोरेट एक्सिलेंस अवार्ड” देकर सम्मानित किया गया |
- विद्युत मंत्रलय ने एनएचपीसी के बहुप्रतीक्षित पेंशन योजना को मंजूरी प्रदान कर दी है | एनएचपीसी इसका न्यास गठित करने और इसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया में है |
- टनकपुर पावर स्टेशन ने समझौता ज्ञापन में दिए गए 459.5 मिलियन यूनिट के उत्कृष्ट बिजली उत्पादन के लक्ष्य को 9 फरवरी 2012 को ही पूरा कर लिया है | 2005 के बाद से यह इस पावर स्टेशन का अब तक का सबसे अधिक

बिजली उत्पादन है | एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से माह फरवरी, 2012 के अंत तक 17245 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 17485 मिलियन यूनिट संचयी बिजली उत्पादन हुआ है |

जनवरी 2012

- श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री डी.पी. भार्गव, निदेशक (तकनीकी) ने दिनांक 28.01.2012 को अरूणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री नाबम तुकी से मुलाकात कर राज्य में जलविद्युत परियोजनाओं से संबंधित मामलों पर चर्चा की |
- राजभाषा के प्रचार-प्रसार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से दिनांक 20.01.2012 को नई दिल्ली के एनसीयूआई ऑडिटोरियम में "अखिल भारतीय कवि सम्मेलन" का आयोजन किया गया| सुप्रसिद्ध हिंदी कवियों ने अपने -अपने कविता पाठ से श्रोताओं को मंत्र् मुग्ध किया |
- पावर स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड के तत्वाधान में एनएचपीसी ने अंतर केंद्रीय विद्युत क्षेत्र् उपक्रम ब्रिज एवं शतरंज प्रतियोगिता की फरीदाबाद में 21 से 23 जनवरी 2012 तक मेजबानी की, जिसमें एनएचपीसी कर्मचारियों ने विभिन्न एकल एवं टीम प्रतिस्पधाओ में भाग लिया | एनएचपीसी को ब्रिज प्रतिस्पधाओ में "बेस्ट पेयर" का पुरस्कार प्राप्त हुआ |
- निगम मुख्यालय के प्रागंण में देशभक्ति के जज़्बे के साथ 63वां गणतंत्र् दिवस मनाया गया |
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से माह जनवरी 2012 तक 16529 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 16789 मिलियन यूनिट का संचयी विद्युत उत्पादन हुआ है |
- श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव, अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री जे.के. शर्मा, निदेशक (परियोजनाएं) ने दिनांक 20.01.2012 को असम के माननीय विद्युत मंत्री श्री प्रद्रयुत बोरदोलोई से नई दिल्ली में मुलाकात कर सुबानसिरी लोअर परियोजना में चल रहे हालात और उसके कारण हो रहे प्रभाव के बारे में अवगत कराया|
- माननीय संसद सदस्य श्री वी.पी. सिंह बदनौर की अध्यक्षता में ऊर्जा की स्थायी संसदीय समिति ने दिनांक 11.01.2012 को गोवा में अध्ययन दौरा किया| समिति ने अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक और निदेशक (कार्मिक) से केंद्रीय क्षेत्र्, विशेषकर एनएचपीसी के संदर्भ में क्षमता अभिवृद्धि कार्यक्रम की स्थिति के बारे में चर्चा की| एनएचपीसी द्वारा इस विषय पर दी गई विस्तृत प्रस्तुति को समिति के सदस्यों ने सराहा|
- निदेशक मंडल ने दिनांक 27.01.2012 को आयोजित अपनी बैठक में 31.12.2011 को समाप्त तिमाही और नौ माह की अवधि के लिए अपरिक्षित वित्तीय परिणामों को स्वीकार कर लिया है, जो क्रमश: 862.02 करोड़ रूपये तथा 4124.08 करोड़ रूपये शुद्ध बिक्री कारोबार एवं क्रमश: 212.18 करोड़ रूपये और 1969.70 करोड़ रूपये शुद्ध मुनाफा रहा है|

दिसम्बर 2011

- राष्ट्रीय ऊर्जा बचत अभियान के तहत एनएचपीसी ने अरूणाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, मणिपुर, मध्य प्रदेश और सिक्किम के पांच राज्यों में राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता का समन्वय किया| माननीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने 14.12.2011 को राष्ट्रीय स्तर के विजेताओं को पुरस्कार प्रदान किए|
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) ने 15.12.2011 को चमेरा-III परियोजना का दौरा किया और परियोजना की निर्माणाधीन गतिविधियों की समीक्षा की| वे चमेरा-|| और सेवा-|| पावर स्टेशनों का भी 16.12.2011 को दौरा किया और वहां चल रहे प्रचालन व रख-रखाव कार्यों का निरीक्षण किया|
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी और श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) ने उत्तराखड के माननीय मुख्यमंत्री मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) भुवन चंद्र खंडूरी से 18.12.2011 को मुलाकात की और उत्तराखंड में नई परियोजनाओं पर चर्चा की|
- राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के माननीय सदस्यों ने एनएचपीसी कार्यालय परिसर का 20.12.2011 को दौरा किया|
- विद्युत मंत्रलय के संयुक्त सचिव (हाइड्रो) ने 28.12.2011 को एनएचपीसी निगम मुख्यालय का दौरा किया और निर्माणाधीन परियोजनाओं के निष्पादन की समीक्षा की| केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, पीपीएमपी और भेल के प्रतिनिधि भी इस बैठक में उपस्थित थे| संयुक्त सचिव (हाइड्रो) को एनएचपीसी के विभिन्न विभागों के कार्यों से भी अवगत कराया गया| परिकल्पना से लेकर संचालन तक जलविद्युत विकास के विभिन्न पहलुओं पर एक प्रस्तुति भी दी गई|
- भारत रत्न बाबा साहिब डॉ. भीमराव अंबेडकर को महापरिनिर्वाण दिवस पर 06.12.2011 को श्रद्धांजलि दी गई|
- एनएचपीसी ने सिक्किम के माननीय मुख्यमंत्री डॉ. पवन कुमार चामलिंग को 02.12.2011 को "मुख्यमंत्री राहत कोष" में सिक्किम में 18.09.2011 को आए भूकंप की पीड़ितों की सहायता के लिए योगदान के तौर पर 7 करोड़ रूपये का चैक प्रदान किया|
- श्री जी. साई प्रसाद, आई.ए.एस. ने विद्युत मंत्रलय में संयुक्त सचिव (हाइड्रो) का पदभार ग्रहण कर लिया है और उन्हें हमारे बोर्ड में नामित किया गया है|

नवम्बर 2011

- एनएचपीसी ने राष्ट्र सेवा के 36 महत्वपूर्ण वर्ष पूरे करने पर 07 नवंबर 2011 को अपना 37वां स्थापना दिवस मनाया| पूरे निगम में स्थापना दिवस पूरे उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया| निगम मुख्यालय में समारोह का आयोजन सिरिफोर्ट ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर भारत सरकार के सचिव (विद्युत), श्री पी. उमा शंकर ने समारोह की शोभा बढ़ाई| एनएचपीसी और उनके परिवार के सदस्यों सहित अनेक गणमान्य व्यक्तियों ने समारोह में अपनी गरिमामयी उपस्थिति दर्ज की|

- एनएचपीसी को पावर क्षेत्र् के संगठनों के बीच राजभाषा में सर्वश्रेष्ठ कार्यान्वयन निष्पादित करने पर वर्ष 2010-11 के लिए प्रथम पुरस्कार प्रदान किया गया| माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे के कर-कमलों से औरंगाबाद, महाराष्ट्र में आयोजित एक कार्यक्रम में श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव, अध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक, एनएचपीसी और श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) ने "एनटीपीसी राजभाषा शील्ड" और प्रशंसा-पत्र् प्राप्त किया|
- विद्युत मंत्रालय को अंतर्राष्ट्रीय औद्योगिक व्यापार मेला-2011 में, जिसका आयोजन 14 से 27 नवंबर, 2011 को नई दिल्ली में किया गया, मंत्रालयों और विभागों पैवेलियन श्रेणी के अंतर्गत "सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन" के लिए रजत पदक से सम्मानित किया गया| उल्लेखनीय है कि इस मेले के लिए एनएचपीसी को नोडल एजेंसी नियुक्त किया गया था|
- श्री तिरूची शिवा, माननीय संसद सदस्य की अध्यक्षता में उद्योग की संसदीय स्थायी समिति ने दिनांक 12.11.2011 को पोर्ट ब्लेयर में अध्ययन दौरा किया| समिति ने तकनीकी उन्नयन और अनुसंधान के विकास पर ज़ोर देते हुए समझौता-ज्ञापन निष्पादन के मामलों पर विचार विमर्श किया| समिति ने एनएचपीसी द्वारा की गई विस्तृत प्रस्तुति की सराहना की| श्री डी.पी. भार्गव, निदेशक (तकनीकी) ने संसदीय समिति के समक्ष एनएचपीसी का प्रतिनिधित्व किया|
- अध्यक्ष व प्रबंधक निदेशक, एनएचपीसी श्री ए.बी.एल. श्रीवास्तव ने श्री के.सी. वेणुगोपाल, माननीय विद्युत राज्य मंत्री की अध्यक्षता में शिलांग में 04.11.2011 को आयोजित विद्युत मंत्रालय की संसदीय-सदस्यों पर आधारित सलाहकार समिति की बैठक में भाग लिया|
- चुटक जलविद्युत परियोजना की प्रथम यूनिट को 06.11.2011 को मांग-अनुसार लोड पर डाल दिया गया है| एनएचपीसी को अन्य परियोजनाओं को भी वर्तमान योजना अवधि में पूरा करना है|
- पार्बती-II जलविद्युत परियोजना में दिनांक 21.11.2011 को सिल्ट फ्लशिंग टनल 1,2 व 3 की कंक्रीट लाइनिंग को पूरा करने का समझौता-ज्ञापन लक्ष्य को उत्कृष्ट रेटिंग के साथ हासिल कर लिया गया है|
- एनएचपीसी ने 10 से 13 नवंबर, 2011 के बीच म्यांमार, यंगून में भारतीय उद्योग संघ (सीआईआई) द्वारा आयोजित "इंटरप्राइज इंडिया शो-2011" में भाग लिया| श्री यू. विन मिन्ट, माननीय वाणिज्य मंत्री, म्यांमार ने एनएचपीसी की गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाते पैवेलियन का उद्घाटन म्यांमार सरकार के वरिष्ठ मंत्रियों और अधिकारियों तथा भारत व म्यांमार के अन्य प्रतिष्ठित उद्योगपतियों की उपस्थिति में किया|
- एनएचपीसी के नेतृत्व में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), फरीदाबाद द्वारा आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं को संपन्न किया गया| एनएचपीसी कार्यालय में 24.11.2011 को नराकास बैठक का आयोजन किया गया और इस अवसर पर मैंने विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया और "नगर सौरभ" पत्रिका का विमोचन किया|
- नवंबर, 2011 माह के दौरान एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों ने समेकित रूप से 15202 मिलियन यूनिट लक्ष्य की तुलना में 15657 मिलियन यूनिट विद्युत का उत्पादन किया|

अक्तूबर 2011

- एनएचपीसी ने वर्तमान वित्तीय वर्ष में 30 सितम्बर 2011 को समाप्त छमाही के दौरान 1757.5 करोड़ रूपये का शुद्ध लाभ अर्जित किया है जोकि पिछले वर्ष की इसी अवधि के दौरान 1227.6 करोड रूपये की तुलना में 43% अधिक है | दिनांक 31.अक्तूबर 2011 को मुम्बई में विश्लेषकों की एक बैठक का आयोजन किया गया जिसमें विश्लेषकों तथा निवेशकों के समक्ष कंपनी का कार्यनिष्पादन प्रस्तुत किया गया | विश्लेषकों ने निवेशकों के नजरिए से परियोजनाओं के संचालन में विलंब को चिंताजनक बताया।
- एनएचपीसी ने दिनांक 22.10.2011 को नई दिल्ली में मणीपुर राज्य में 1500 मेगावाट की तिपाईमुख जल विद्युत (बहुउददेषीय) परियोजना के क्रियान्वयन के लिए मणीपुर राज्य सरकार तथा एसजेवीएन लिमिटेड के साथ प्रमोटर्स के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर माननीय विद्युत मंत्री भारत सरकार श्री सुशीलकुमार शिंदे एवं मणीपुर राज्य के माननीय मुख्य मंत्री श्री ओ इबोबी सिंह तथा सचिव (विद्युत)श्री उमाशंकर एवं श्री डी.एस.पूनिया प्रमुख सचिव मणीपुर सरकार की उपस्थिति में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने मणीपुर राज्य के प्रमुख सचिव (विद्युत) श्री एल. पी गोनमई तथा श्री आर पी सिंह अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक एसजेवीएनएल के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।
- एनएचपीसी को नेशनल सेफ्टी काऊंसिल आफ इंडिया द्वारा जारी एनएससीआई सैफ्टी एवार्ड - 2010 के लिए निर्माण क्षेत्र् में "प्रशंसा पत्र " प्रदत्त किया गया तथा समीक्षाधीन वर्ष 2009 के लिए निम्मो-बाज़गो परियोजना में प्रभावशाली प्रबंधन नीति प्रक्रिया की पहचान करने, उसे विकसित करने तथा व्यवसायिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य आदि में उसे लागू करने हेतु प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया | यह अवार्ड दिनांक 19.10.2011 को नई दिल्ली में आयोजित एनएससीआई के राष्ट्रीय सम्मेलन तथा एवार्ड, समारोह के दौरान एनएससीआई के अध्यक्ष श्री वैणु श्रीनिवासन के कर-कमलों से माननीय केंद्रीय श्रम व रोजगार मंत्री श्री मल्लिकार्जुन खार्गे की उपस्थिति में एनएचपीसी की ओर से निदेशक (कार्मिक) श्री आर.एस. मीना ने प्राप्त किया |
- माननीय संसद सदस्य श्री अधीर रंजन चौधरी की अध्यक्षता में ऊर्जा संबंधी स्थाई संसदीय समिति ने दिनांक 20.10.2011 को श्रीनगर में अध्ययन दौरा किया | इस दौरान इस समिति ने जम्मू व कश्मीर राज्य में जल विद्युत क्षेत्र् से विद्युत उत्पादन के संदर्भ में अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी तथा मंत्रालय के प्रतिनिधियों के साथ विचार-विमार्श किया | समिति ने देश में जल विद्युत विकास के लिए हमारी कंपनी की उल्लेखनीय भूमिका की प्रशंसा की |
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने निदेशक (तकनीकी) सहित नई में दिनांक 21.10.2011 को माननीय मुख्य मंत्री सिक्किम के साथ बैठक की | बैठक के दौरान आपसी हितों के मुद्दों पर चर्चा हुई जिनमें राज्य में वर्तमान में एनएचपीसी द्वारा संचालित परियोजनाओं के क्रियान्वयन पर विचार-विमर्श किया गया |

- सितम्बर 2011 से अक्तूबर, 2013 की अवधि के लिए अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी को बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल हाइड्रो पावर एसोसिएयशन में एशिया एक क्षेत्र के प्रतिनिधि के तौर चुना गया है जिसमे भारत सहित 25 राष्ट्र शामिल हैं | आईएचए की विश्व में अक्षुण्य जल विद्युत विकास के तौर पर पहचान बनी हुई है |
- निम्मो बाजगो जलविद्युत परियोजना में दिनांक 21.10.2011 को द्वितीय चरण के नदी के बहाव को सफलतापूर्वक मोड़ दिया गया है |
- दिनांक 13.10.2011 के पत्र् द्वारा पर्यावरण व वन मंत्रालय ने कोटलीभेल (195 मेगावाट) चरण-I ए को वन मंजूरी प्रदान कर दी है |
- केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण ने अपने दिनांक10.10.2011 के कार्यालय ज्ञापन द्वारा तवांग-| (600 मेगावाट)जलविद्युत परियोजना को सहमति प्रदान कर दी है |
- एनएचपीसी ने विद्युत मंत्रालय एवं फिक्की द्वारा दिनांक 12 से 14 अक्तूबर 2011 तक नई दिल्ली में आयोजित इन्डिया इलेक्ट्रिसिटी 2011 प्रदर्शनी में एनएचपीसी ने भाग लिया | इस प्रदर्शनी का उदघाटन माननीय केन्द्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे द्वारा किया गया था |
- अन्तर पावर सार्वजनिक क्षेत्र् के उपक्रमों क्विज प्रतियोगिता 'क्विजिंग टू एक्सीलैंस (क्यू.2ई) 2011' जोकि पावर एचआर फोरम द्वारा दिनांक 14.10.2011 को आयोजित की गई थी, में पुरुषों के लिए आयोजित बिजनैस क्विज एवं महिलाओं के लिए आयोजित प्रबन्ध क्विज में एनएचपीसी के प्रतिभागियों ने क्रमश: प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त किया है |
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से माह अक्तूबर,2011 तक 1384 मिलियन यूनिट (एमयू) के लक्ष्य के मुकाबले 1419 मिलियन यूनिट (एमयू) संचयी विद्युत उत्पादन हुआ |
- पूरे संगठन में दिनांक 31 अक्तूबर,2011 से 5 नवम्बर,2011 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया |

सितम्बर 2011

- भारत सरकार को वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए दिए गए 637.40 करोड़ रूपये सहित शेयरधारकों को 738.04 करोड़ रूपये का लाभांश दिया गया है| इस लाभांश का सरकार के हिस्से की प्रतिकृति 29.09.2011 को माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री, श्री सुशीलकुमार शिंदे को सचिव (विद्युत), भारत सरकार तथा विद्युत मंत्रालय व एनएचपीसी के अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में सौंपी गई| कंपनी के वज़ूद में आने के बाद से यह अभी तक का सबसे अधिक लाभांश है|
- एनएचपीसी को "क" क्षेत्र् में सार्वजनिक क्षेत्र् के उपक्रमों के बीच राजभाषा कार्यान्वयन के क्षेत्र् में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए गृह मंत्रालय, भारत सरकार ने "प्रथम पुरस्कार" प्रदान किया गया है| यह पुरस्कार अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल से विज्ञान भवन, नई दिल्ली में 14.09.2011 को आयोजित पुरस्कार समारोह में प्राप्त किया|
- निगम में 01 से 14 सितंबर 2011 को हिंदी पखवाड़ा मनाया गया|

- एनएचपीसी को मिनि रत्न श्रेणी के अंतर्गत पीएसई एक्सिलेंस अवाड्र्स - 2011 में "बेस्ट ह्यूमन रिसोर्स मैनेजमेंट अवार्ड" प्रदान किया गया| अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने यह अवार्ड नई दिल्ली में 19.09.2011 को आयोजित पीएसई एक्सिलेंस अवार्ड्स 2011 समारोह में सार्वजनिक उद्यम विभाग के सचिव महोदय के कर-कमलों से प्राप्त किया|
- सिक्किम और पश्चिम बंगाल राज्य 18.09.2011 की सांय को आए विध्वंशकारी भूकंप से बुरी तरह से प्रभावित हुए हैं| सौभाग्य से कुछ इमारतों और सड़कों को हुए नुकसान को छोड़कर, एनएचपीसी पावर स्टेशनों और परियोजनाओं के मुख्य ढ़ांचों को कोई नुकसान नहीं हुआ है| भूकंप आने के 6-8 घंटों के भीतर ही एनएचपीसी के तीस्ता- V और रंगित पावर स्टेशनों से पुन: बिजली उत्पादन प्रारंभ हो गया था| एनएचपीसी राज्य प्रशासन के साथ तालमेल बैठाकर स्थानीय लोगों के बचाव और उनकी राहत व मदद संचालनों में अपना हर संभव सहयोग दे रही है|
- जम्मू व कश्मीर के कारगिल क्षेत्र् में चुटक जलविद्युत परियोजना की यूनिट-1 को मैकेनिकल स्पिन करने का कार्य 29.09.2011 को सफलतापूर्वक संपन्न हो गया है|
- चमेरा-III जलविद्युत परियोजना के जलाशय में जलभराव कार्य 29.09.2011 को प्रारंभ हो गया है|
- केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने 800 मेगावाट की तवांग-II जलविद्युत परियोजना के लिए 22.09.2011 को अपनी सहमति प्रदान कर दी है| अरूणाचल प्रदेश सरकार ने तवांग-| और || जलविद्युत परियोजनाओं की वन-मंजूरी के लिए क्रमश: 21 व 22 सितंबर, 2011 को वन-प्रस्ताव पर्यावरण व वन मंत्रालय, भारत सरकार को भिजवा दिए है|
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से माह सितंबर, 2011 तक 12977 मिलियन यूनिट के लक्ष्य के मुकाबले 13372 मिलियन यूनिट संचयी विद्युत उत्पादन हुआ है|
- पश्चिम बंगाल की माननीय मुख्यमंत्री कुमारी ममता बनर्जी ने उत्तर बंगाल के भूकंप प्रभावित क्षेत्रें के अपने दौरे के दौरान 19.09.2011 को सिलीगुड़ी का दौरा किया था| इस दौरान सिलीगुड़ी में एनएचपीसी गेस्टहाउस में उनके संक्षिप्त ठहराव के समय उन्हंि टीएलडीपी-III और IV परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया|
- हेग में स्थित स्थायी मध्यस्थ न्यायालय ने किशनगंगा परियोजना के संबंध में 23.09.2011 को अंतरिम उपायों के तौर पर एक आदेश पारित किया है| इस आदेश के अनुसार जल संचालन प्रणाली, नदी तल के नीचे से अस्थायी बाईपास सुरंग की खुदाई और बांध की उप-सतही नींव का परियोजना निर्माण कार्य जारी रह सकता है|

अगस्त 20111

- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, निदेशक (तकनीकी) को साथ लेकर असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री तरूण गोगोई के साथ असम भवन में 05.08.2011 को एक बैठक की, जिसमें सुबानसिरि लोअर जलविद्युत परियोजना के कार्यान्वयन के संबंध में चर्चा की गई|

- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, निदेशक (कार्मिक) के साथ भूटान शाही सरकार के सचिव (आर्थिक मामले) श्री सोनम शेरिंग और प्रबंध निदेशक (डीजीपीसी) श्री छेवांग रिनजिन से 670 मेगावाट की चमखरछू-| जलविद्युत परियोजना और भूटान में आगामी वाणिज्यिक विकास के संबंध में नई दिल्ली में 18.08.2011 को विचार-विमर्श किया|
- उड़ी-II जलविद्युत परियोजना में प्रारंभिक जलाशय में पानी भराई का कार्य 18.08.2011 को पूरा हो गया है| इस परियोजना के लिए सिंधु जल संधि के अनुसार 20.08.2011 तक तय की गई समय-सीमा को ध्यान में रखते हुए यह उपलब्धि हासिल की गई है|
- चुटक जलविद्युत परियोजना में प्रारंभिक पानी भराई का कार्य 20.08.2011 को पूरा कर लिया गया है|
- परियोजना/पावर स्टेशनों के दूर-दराज में स्थित होने के बावजूद एनएचपीसी को आर.टी.आई आवेदनों के निपटान करने में आरटीआई आवेदन प्राप्तकर्ता दस उच्चतम लोक-प्राधिकारों के बीच प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है|
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों ने मिलकर माह अगस्त, 2011 तक 10824 मिलियन यूनिट के लक्ष्य की तुलना में 11139 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया है
- कंपनी की 35वीं वार्षिक साधारण आमबैठक फरीदाबाद में 19.09.2011 को करने का कार्यक्रम है| एनएचपीसी ने इलैक्ट्रॉनिक मोड के जरिये कारपोरेट गर्वनेंस के अंतर्गत कॉर्पोरेट कार्य मंत्रालय के पर्यावरण को हरित बनाए रखने संबंधी पहलुओं में अपने को भागीदार करते हुए पेपर-रहित कार्य करने की अनुमति देने का निर्णय लिया है| इससे पेपर के उपयोग में कमी लाई जा सकेगी, जिससे पर्यावरण को और बेहतर बनाने में एनएचपीसी का भी योगदान होगा|
- एनएचपीसी को गृह मंत्रलय, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2009-10 के लिए क क्षेत्र् में स्थित सार्वजनिक क्षेत्र् के उपक्रमों में राजभाषा कार्यान्वयन में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए इंदिरा गांधी राजभाषा पुरस्कार के अंतर्गत प्रथम पुरस्कार प्रदान करने के लिए चुना गया है| यह पुरस्कार भारत की महामहिम राष्ट्रपति श्रीमति प्रतिभा देवीसिंह पाटिल द्वारा दिनांक 14 सितंबर 2011 को हिंदी-दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में प्रदान किया जाएगा|
- एनएचपीसी ने वर्तमान वित्तीय वर्ष की प्रथम तिमाही में कर-पश्चात 791 करोड़ रूपये का लाभ अर्जित किया है, जो गत वर्ष की इसी तिमाही के 537 करोड़ रूपये की तुलना में 47 प्रतिशत अधिक है| बिजली उत्पादन की 5679 मिलियन यूनिट के समझौता-ज्ञापन में दिए गए उत्कृष्ट लक्ष्य को 10.7 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 6284 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया है और यह वित्तीय वर्ष 2010-11 की प्रथम तिमाही के दौरान प्राप्त 5689 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन के लक्ष्य से 10.5 प्रतिशत अधिक है|

जुलाई 2011

- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, निदेशक (तकनीकी) के साथ एनएचपीसी के निगम मुख्यालय में कोरिया गणराज्य से पधारे व्यापार-प्रतिनिधि मंडल से 12.07.2011 को मुलाकात कर आपसी हित और व्यापारिक संवर्धन की संभावनाओं पर चर्चा की|

- माननीय संसद सदस्या श्रीमती चंद्रेश कुमारी कटोच की अध्यक्षता में महिला अधिकारिता पर गठित संसदीय समिति ने श्रीनगर, जम्मू व कश्मीर में 25.07.2011 को एनएचपीसी में महिला कार्मिकों की कार्य परिस्थितियों पर एक पारस्परिक बैठक आयोजित की| एनएचपीसी ने इस समिति के सम्मुख एक विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसकी समिति ने प्रशंसा की| संसदीय समिति के सम्मुख श्री आर. एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) ने एनएचपीसी का प्रतिनिधित्व किया|
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी के प्रतिनिधि-मंडल एवं म्यांमार में भारतीय दूतावास के कौउंसलर को साथ लेकर नय पयी टाय, म्यांमार में 26.07.2011 को हाइड्रो पावर प्लानिंग विभाग के अधिकारियों और हाइड्रो पावर कार्यान्वयन, म्यांमार संघ सरकार के साथ एक बैठक की| इस दौरान श्री यू.जाव मिन, माननीय मंत्री, एमओईपी-I, म्यांमार संघ सरकार के साथ भी शिष्टाचार के नाते भेंट की|
- श्री के.सी. वेणुगोपाल, माननीय विद्युत राज्य मंत्री, भारत सरकार ने लेह और अलैची का 25.07.2011 से 27.07.2011 तक दौरा किया| इस दौरान माननीय मंत्री महोदय ने जम्मू-कश्मीर सरकार के माननीय विद्युत राज्य मंत्री श्री शब्बीर अहमद खान और एनएचपीसी के निदेशक (तकनीकी), श्री डी.पी. भार्गव को साथ लेकर निम्मो-बाजगो परियोजना का दौरा किया| श्री वेणुगोपाल ने परियोजना के विभिन्न निर्माण स्थलों का दौरा किया और उन्होंने अलैची में सिन्धु नदी पर एनएचपीसी द्वारा निर्मित किए गए पुल का भी उद्घाटन किया| उन्होंने एनएचपीसी द्वारा कारपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) के अंतर्गत कार्यान्वित कार्यों के लिए किए गए प्रयासों और परियोजना टीम द्वारा ऐसी विषम और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में किए जा रहे कार्यों की प्रशंसा की|
- एनएचपीसी ने उड़ीसा में महानदी नदी घाटी में 300 मेगावाट की कुल क्षमता की तीन जलविद्युत परियोजनाओं सिन्डोल चरण-I,II व III को विकसित करने के लिए उड़ीसा हाइड्रो पावर कारपोरेशन लिमिटेड और उड़ीसा सरकार के साथ एक संयुक्त उपक्रम कंपनी के गठन के लिए समझौता ज्ञापन पर 21.07.2011 को भुबनेश्वर में हस्ताक्षर किए हैं| इस समझौता ज्ञापन पर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी उड़ीसा सरकार, ऊर्जा विभाग के आयुक्त एवं सचिव श्री जी. मथीवथनन्न और ओएचपीसी के प्रबंध निदेशक श्री एस. खटुआ ने उड़ीसा के माननीय मुख्यमंत्री श्री नवीन पटनायक की गरिमामयी उपस्थिति में हस्ताक्षर किए| इसके साथ ही एनएचपीसी ने उड़ीसा राज्य में जलविद्युत संभाव्यता के दोहन के लिए अपनी उपस्थिति दर्ज कर दी है|

जुन 2011

- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, मुख्य सचिव, जम्मू व कश्मीर सरकार के साथ दिनांक 27.06.2011 को एक बैठक की, जिसमें उड़ी-I पावर स्टेशन के डाउनस्ट्रीम मे स्थित उड़ी-II परियोजना के समझौता-ज्ञापन पर यथा समय हस्ताक्षर करने के साथ-साथ इस राज्य में भविष्य में जलविद्युत विकास की आवश्यकता पर बल देते हुए निम्मो-बाजगो और दुलहस्ती चरण-II के डाउनस्ट्रीम में स्थित प्रस्तावित चार परियोजनाओं पर चर्चा करना भी शामिल था| अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, जम्मू व कश्मीर के माननीय मुख्यमंत्री जी से भी भेंट की|

- जम्मू व कश्मीर में पकल दुल, किरू और कवार परियोजनाओं के विकास के लिए गठित मैसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्रस (प्राइवेट) लिमिटेड का पंजीकरण, कंपनी रजिस्ट्रार के साथ दिनांक 13.06.2011 को हो गया है| मैसर्स चिनाब वैली पावर प्रोजेक्ट्रस (प्राइवेट) लिमिटेड की प्रथम बोर्ड मीटिंग दिनांक 27.06.2011 को श्रीनगर में आयोजित हुई| श्री एस.सी. गुप्ता, कार्यपालक निदेशक, एनएचपीसी को इस संयुक्त उपक्रम कंपनी में प्रबंध निदेशक के तौर पर नामित किया गया है|
- एनएचपीसी और ओएचपीसी के साथ संयुक्त उपक्रम की स्थापना के लिए समझौता-ज्ञापन राज्य सरकार को दिनांक 20.06.2011 को भेज दिया गया है, ताकि महानदी घाटी में 300 मेगावाट की कुल क्षमता की तीन जलविद्युत परियोजनाओं (सिन्डोल - I, II और III) की स्थापना करने का मार्ग प्रशस्त हो सके|
- चमेरा-III जलविद्युत परियोजना में दिनांक 23.06.2011 को डैम स्पिलवे के उपर से नदी के प्रवाह को सफलतापूर्वक मोड़ दिया गया है|
- तवांग चरण-I और तवांग चरण-II जलविद्युत परियोजनाओं को पर्यावरण व वन मंत्रलय ने दिनांक 10.06.2011 को पर्यावरणीय मंजूरी प्रदान कर दी है| केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण में तवांग-I के लिए दिनांक 10.06.2011 को और तवांग-II के लिए दिनांक 30.06.2011 को सहमति बैठक आयोजित हुई|
- कोटली भेल चरण-1ए जलविद्युत परियोजना के लिए 258.737 हैक्टेयर वन-भूमि के हस्तांतरण के लिए एफएसी ने वन मंजूरी प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया है|
- लोकतक डाउनस्ट्रीम जलविद्युत परियोजना की जन सुनवाई दिनांक 07.06.2011 को की जा चुकी है|
- पार्बती-II परियोजना में डैम व इनटेक कंक्रीटिंग (175000 क्यूबिक मीटर संचयी) दिनांक 27.06.2011 को उत्कृष्ट समझौता-ज्ञापन रेटिंग के साथ पूरी कर ली गई है|
- एनएचपीसी के सभी पावर स्टेशनों से माह जून, 2011 के दौरान 2249 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन के लक्ष्य के मुकाबले 2303 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन हुआ है|
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, मांगदेछू जल विद्युत परियोजना और भूटान में भविष्य के व्यापार विकास हेतु भूटान शाही सरकार और एमएचपीए अधिकारियों के साथ विचार विमर्श करने के लिए दिनांक 08 से 10 जून, 2011 तक दौरा किया|
- वित संबंधी स्थायी संसदीय समिति ने श्री यशवंत सिन्हा की अध्यक्षता में दिनांक 13.06.2011 को अलची, लेह का अध्ययन दौरा किया| समिति ने मेरे साथ जलविद्युत परियोजनाओ की स्थिति, विशेषकर जम्मू व कश्मीर के संदर्भ में चर्चा की| समिति के सदस्यों ने एनएचपीसी द्वारा दी गई विस्तृत प्रस्तुतीकरण की सराहना की|
- निदेशक मंडल ने दिनांक 30.06.2011 को आयोजित अपनी 335वीं बैठक में वित्तीय वर्ष 2010-11 के लिए ` 0.60 रूपये प्रति शेयर का लाभांश देने की सिफारिश की है|

मई 2011

- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, दिनांक 10.05.2011 से 11.05.2011 के बीच चमेरा-III परियोजना का दौरा किया और परियोजना के निर्माण कार्यों की प्रगति का जायज़ा लिया|
- अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी, निदेशक (कार्मिक) श्री आर.एस. मीना के साथ अरूणाचल प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री जारबॉम गामलिन से दिनांक 16.05.2011 को और असम के माननीय मुख्यमंत्री श्री तरूण गोगोई से दिनांक 23.05.2011 को नई दिल्ली में भेंट की| इस दौरान उन्हें उनके प्रदेशों में एनएचपीसी की निर्माणाधीन परियोजनाओं की प्रगति से अवगत कराया गया|
- नई दिल्ली में 27.05.2011 को वार्षिक संवाददाता सम्मेलन आयोजित किया गया और मुम्बई में दिनांक 30.05.2011 को विश्लेषकों की बैठक आयोजित की गई| मीडिया व विश्लेषकों के साथ आयोजित बैठक में बहुत अच्छी तरह से सूचनाओं का आदान-प्रदान कर उनके प्रश्नों का समुचित उत्तर दिया गया|
- एनएचपीसी ने भारत सरकार के सहयोग से द्वितीय अफ्रीका-भारत फोरम बैठक के उपलक्ष्य में अदीस अबाबा, इथोपिया में 20 से 22 मई, 2011 तक आयोजित भारत प्रदर्शनी में भाग लिया| एनएचपीसी की गतिविधियों और उपलब्धियों को दर्शाते हुए एनएचपीसी पैवेलियन का उद्घाटन माननीय केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री आनंद शर्मा ने किया| इस अवसर पर इथोपिया सरकार के माननीय उद्योग मंत्री मिस्टर मीकोनेन मान्याज्वाल और भारत तथा इथोपिया के अनेक जाने-माने उद्योगपति उपस्थित थे|
- एनएचपीसी ने नई दिल्ली में 05 - 07 मई, 2011 को आयोजित रीन्यूऐबल एनर्जी वर्ल्ड इंडिया एण्ड हाइड्रो विजन इंडिया 2011 प्रदर्शनी में भाग लिया| एनएचपीसी पैवेलियन का उद्घाटन माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे ने किया|
- माह मई, 2011 के दौरान 1938 मिलियन यूनिट लक्ष्य की तुलना में एनएचपीसी के पावर स्टेशनों से कुल मिलाकर 2353 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया, जबकि गत वर्ष की इसी माह में 2035 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन किया गया था|
- संयुक्त राष्ट्र के जंगल : आपके द्वार पर प्रकृति नामक विचार के साथ 05 जून, 2011 को विश्व पर्यावरण दिवस मनाया जा रहा है|
- निदेशक मंडल ने दिनांक 27.05.2011 को आयोजित बैठक में वित्तीय वर्ष 2010-11 के वार्षिक लेखों को स्वीकार कर लिया है| लेखों के मुताबिक, कंपनी ने अब तक का सर्वाधिक कर-पश्चात 2,166.67 करोड़ रूपये (गत वर्ष : 2,090.50 करोड़ रूपये, जिसमें पूर्व वर्षों के बिक्री का प्रभाव 587 करोड़ रूपये का लाभ भी शामिल था) लाभ कमाया है और 4,046.59 करोड़ रूपये का बिक्री-कारोबार किया है| इसके अलावा, कंपनी ने लगातार तीसरी बार अपने लेखों पर सांविधिक लेखा-परीक्षकों से कोई टिप्पणी नहीं प्राप्त की है|
- माननीय विद्युत राज्य मंत्री श्री के.सी. वेणुगोपाल ने दिनांक 03.05.2011 को निगम मुख्यालय का दौरा किया| माननीय मंत्री जी को एनएचपीसी की विभिन्न उपलब्धियों और चल रही गतिविधियों से अवगत कराया गया| उन्होंने

एनएचपीसी के कार्य-कलापों की सराहना की और कहा कि जलविद्युत के विकास में इसकी महत्वपूर्ण भूमिका है| श्री वेणुगोपाल ने हमारे निदेशक (परियोजनाएं) के साथ दिनांक 10.05.2011 को हमारी पार्बती-II (800 मेगावाट) और पार्बती-III (520 मेगावाट) का दौरा किया|

- एनएचपीसी ने रूस की सबसे बड़ी विद्युत उत्पादन करने वाली कंपनी जेएससी रूसहाइड्रो के साथ दिनांक 23.05.2011 को समझौता-ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया, ताकि जलविद्युत विकास, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के क्षेत्र् और बिजली उत्पादन के अन्य क्षेत्रों में सहयोग किया जा सके|
- इस समझौता-ज्ञापन पर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक,एनएचपीसी, श्री आर.एस.मीना, निदेशक(कार्मिक) और एनएचपीसी तथा रूसहाइड्रो के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में श्री डी.पी.भार्गव, निदेशक(तकनीकी) और मिस्टर ऐवग्नि डोड, बोर्ड अध्यक्ष, रूसहाइड्रो ने हस्ताक्षर किए|

अप्रैल 2011

- निगम मुख्यालय में दिनांक 15.04.2011 को बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की 120वीं जयंती के उपलक्ष्य में उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए|
- निगम की मुख्य गतिविधियों का वेबसाइट से प्रसारण करने के उद्रदेश्य से दिनांक 04.04.2011 को सभी स्थानों को एनएचपीसी नेटवर्क से जोड़ दिया गया है ताकि एनएचपीसी के कार्मिक इन गतिविधियों का नेट से सीधा प्रसारण देख सकें|
- चुटक जलविद्युत परियोजना में नदी को स्पिलवे रेडियल गेटों के माध्यम से सफलतापूर्वक मोड़ दिया गया है|
- किशनगंगा परियोजना में टनल बोरिंग मशीन को संचालित करके एडिट की खुदाई का कार्य प्रारंभ कर दिया गया है|
- सिक्किम विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर प्रो. महेन्द्र पी. लामा ने दिनांक 27.04.2011 को निगम मुख्यालय का दौरा किया| इस अवसर पर अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी से मिलकर उन्होंने आपसी सहयोग के क्षेत्रें में विचार-विमर्श किया गया| इस विचार-विमर्श के दौरान श्री आर.एस. मीना, निदेशक (कार्मिक) भी उपस्थित थे|
- एनएचपीसी ने उत्तरी हिमालय में विद्यमान जलविद्युत क्षमता के तीव्र दोहन विषय पर दिनांक 26-27 अप्रैल2011 तक आयोजित दो दिवसीय छठे अंतरराष्ट्रीय जलविद्युत सम्मेलन में भाग लिया| इस सम्मेलन का आयोजन इंडिया टेक फाउन्डेशन द्वारा शिमला में किया गया, जिसक उद्रघाटन हिमाचल प्रदेश के माननीय मुख्य मंत्री प्रोफेसर प्रेम कुमार धूमल ने किया| इस अवसर पर हमारे निदेशक (परियोजनाएं) श्री जे.के. शर्मा ने एनएचपीसी का प्रतिनिधित्व किया|
- पावर स्पोर्टस कंट्रोल बोर्ड के तत्वावधान में विद्युत क्षेत्र् के विभिन्न पीएसयू द्वारा आयोजित अंतर पावर पीएसयू टेबिल टेनिस, कैरम, चैस, कब्बड्रडी तथा बैडमिन्टन प्रतियोगिताओं में एकल तथा टीम प्रतिस्पर्धाओं में एनएचपीसी कर्मचारियों ने भाग लिया और वे उसमें विजेता तथा रनरअप रहे|
- एनएचपीसी के पावर स्टेशनों ने संयुक्त रूप से 1491.5 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन लक्ष्य की तुलना में 1627.4 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया|

- भारतीय अर्थव्यवस्था में योगदान के लिए एनएचपीसी को डन एण्ड ब्राडस्टीट-रोल्टा कारपोरेट अवार्ड्स 2010 में पावर सेक्टर की टाप इंडियन कंपनी के तौर पर चुना गया| यह पुरस्कार दिनांक 26.04.2011 को मुम्बई में आयोजित एक भव्य समारोह में एनएचपीसी की ओर से श्री डी.पी. भार्गव, निदेशक (तकनीकी) ने प्राप्त किया|
- दलाल स्ट्रीट निवेश जर्नल द्वारा एनएचपीसी को नॉन-मैन्युफैक्चरिंग मिनी रत्न श्रेणी सार्वजनिक क्षेत्र् उपक्रम के अंतर्गत जेंटिल जायंट्रस अवार्ड से सम्मानित किया गया है| अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी ने यह पुरस्कार दिनांक 21.04.2011 को नई दिल्ली में आयोजित तीसरे सार्वजनिक क्षेत्र् उपक्रम पुरस्कार 2011 समारोह में माननीय केंद्रीय विद्युत मंत्री श्री सुशीलकुमार शिंदे के कर-कमलों से प्राप्त किया|
- सार्वजनिक उद्यमों की संसदीय समिति ने दिनांक 29.04.2011 को शिलांग का अध्ययन दौरा किया| समिति ने अध्यक्ष व प्रबंध निदेशक, एनएचपीसी के साथ एनएचपीसी से संबंधित अन्य मुद्रदों के अतिरिक्त, ग्यारहवीं तथा बाहरवीं योजना अवधि के दौरान क्षमता अभिवृद्वि कार्यक्रम पर विचार-विमर्श किया| समिति ने देश के जलविद्युत विकास के लिए हमारी कंपनी द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की|